भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 5683

दिनांक 04 अप्रैल, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

पथरी रोग के बढ़ते मामले

5683. श्रीमती गनीबेन नागाजी ठाकोर:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा पथरी रोग के बढ़ते प्रसार को नियंत्रित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है;
(ख) क्या सरकार उक्त रोग की बढ़ती घटनाओं में भूमिका निभाने वाले कारकों का पता लगाने के लिए कोई शोध कर रही है; और
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा सरकार द्वारा उक्त रोग की रोकथाम के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के भाग के रूप में राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के तहत राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। राज्यों को संबंधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की राज्य कार्यक्रम कार्यान्वयन योजना (पीआईपी) के माध्यम से एनसीडी फ्लेक्सी-पूल के तहत निधियां प्रदान की जा रही हैं, जिसमें केन्द्र से राज्य का हिस्सा 60:40 के अनुपात में है (पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों को छोड़कर, जहां हिस्सा 90:10 है)। इस कार्यक्रम के तहत, देश भर में 770 जिला एनसीडी क्लीनिक, 372 जिला डे केयर केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 6410 एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।

पथरी (पित्ताशय की पथरी और गुर्दे/मूत्रवाहिनी की पथरी) जीवनशैली कारकों से जुड़ी होती है, जिनमें आहार (उच्च नमक, उच्च चीनी, उच्च ऑक्सालेट, उच्च वसा और ट्रांसफैट), मोटापा, तेजी से वजन घटाने, और शारीरिक गतिविधि की कमी, साथ ही मधुमेह की बढ़ती दर, इंसुलिन प्रतिरोध और चयापचय सिंड्रोम, या सिकल सेल एनीमिया जैसे कुछ रक्त विकार या कभी-कभी कुछ दवाओं या हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी के कारण होते हैं।

सामुदायिक स्तर पर आरोग्य क्रियाविधियों और लक्षित संचार को बढ़ावा देकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर योजना के माध्यम से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के तहत गैर-संचारी रोगों के निवारक पहलू को सुदृढ़ किया जाता है। जन जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए अन्य पहलों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाना और सामुदायिक जागरूकता जारी रखने के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और सोशल मीडिया का उपयोग शामिल है। इसके अलावा, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के माध्यम से पौष्टिक आहार को भी बढ़ावा दिया जाता है। फिट इंडिया मूवमेंट को युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा लागू किया जा रहा है, और आयुष मंत्रालय द्वारा विभिन्न योग संबंधी क्रियाविधियां की जा रही हैं।

सरकार, भारत में गुर्दे की बीमारियों को रोकने के लिए अनुसंधान के महत्व को स्वीकार करती है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद गुर्दे/पित्ताशय पथरी से संबंधित निम्नलिखित परियोजनाओं का वित्तपोषण कर रहा है :-

- गुर्दे की पथरी की बीमारी का पता लगाने वाले तत्वों की भूमिका
- गुर्दे की पथरी रोग के विकास में सीएलडीएन 14, एमजीपी और एसपीपी 1 जीन के विभिन्न उत्परिवर्तनों/बहुरूपता का कार्यात्मक परस्पर क्रिया।
- दो चरण में अध्ययन जिनमें पित्ताशय पथरी रोग (केएसडी) के जोखिम कारकों का मूल्यांकन और आंत माइक्रोबायोटा में परिवर्तन द्वारा केएसडी पर पड़ने वाले प्रोबायोटिक उपयोग के प्रभाव।
- इंडियन एसिम्प्टमैटिक गॉलस्टॉन: नैचुरल कॉर्स एण्ड केयर प्रिडिक्टर्स-इंडियास्टॉन स्टडी

*****